Solution of Practice Paper - 1

Political Science (028)

TIME: 3 HRS. **MM : 80**

खंड - ए

1. दूसरे विश्व युद्ध का काल / समय है। 1

ख) 1939-1945

2. संयुक्त राज्य अमेरिका और सोवियत संघ के बीच चले वैचारिक युद्ध को शीत युद्ध कहा जाता है। 1

3. क) मास्ट्रिच्ट संधि का सम्बन्ध यूरोपियन संघ के गठन से है। 1

4. दक्षिण एशिया का मालदीव देश 1968 मेंगणराज्य बना। 1

5. दक्षेस / सार्क (SAARC)का स्थापना वर्ष 1

ख) 1985

6. सही कथन। 1

भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ की सदस्यता 30 अक्टूबर 1945 को प्राप्त की।

7. जापान देश के पास वीटो अधिकार नहीं है। 1

8. "भाग्य वधू से चिर-प्रतीक्षित भेंट" भाषण पंडित जवाहरलाल नेहरू जी के द्वारा दिया गया। 1

9. योजना आयोग की स्थापना मार्च 1950, मेंभारत सरकार ने एक प्रस्ताव के ज़रिए की। 1

10. नीति आयोग का गठन 1 जनवरी 2015 को हुआ। 1

11. नीति आयोग मेंपदेन अध्यक्ष प्रधानमंत्री जी होते है। 1

12. ख) योजना आयोग के स्थान पर नीति आयोग आयोग बना है। 1

13. सही। 1

"पंचशील का सिद्धांत" भारत के विदेश नीति का एक प्रमुख बिंदु है।

14. पंचशील के सिद्धांतें पर हस्ताक्षर 1954 मे हुए। 1

15. गलत। कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र भारत और रूस के बीच सहयोग से स्थापित किया गया। 1

https://www.evidyarthi.in

16. भारत द्वारा प्रथम परमाणु परीक्षण पोखरण (राजस्थान) मे किया गया । 1

खंड - बी

17. 1+1+1+1=4

17.1 c) दक्षिण एशिया

17.2 a) चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका

17.3 b) भारत और चीन

17.4 a) भारत

18. 1+1+1+1=4

18.1 b) 1967

18.2 a) एसोसिएशन ऑफ साउथ ईस्ट एशियन नेशन्स

18.3 c) a और b दोनों

18.4 a) संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन

खंड - सी

19. पूरे विश्व का दो गुटों मे बट जाना एक पूंजीवादी अर्थव्यवस्था यानी अमेरिका के साथ और दूसरा साम्यवादी अर्थव्यवस्था यानी सोवियत संघ के साथ। इसका अंत सोवियत संघ के विघटन के साथ 1991 मे हुआ। 1+1 = 2

20. यूरोपीय संघ 2

आसियान

दक्षेस

ब्रिक्स

21. स्वतंत्रता के समय देश के सम्मुख तीन प्रमुख चुनौतियां थी :- 2

1. देश को एकता के सूत्र मे बांधने की ।
2. लोकतंत्र को स्थापित करने की।
3. विकास से संबंधित।

https://www.evidyarthi.in

22. सत्ता का केंद्रीकरण: सभी शक्तियां संघ सरकार के हाथों में केंद्रित हो जाती हैं।

मौलिक अधिकार निलंबित: दैहिक और जीवन जीने की स्वतंत्रता को छोड़कर सभी मौलिक अधिकार निलंबित हो जाते हैं। 1+1=2

अथवा

1989 में गठबंधन सरकारों का युग प्रारंभ हुआ। 1+1= 2

दो या दो से अधिक पार्टियों का मिलकर सरकार बनाने के लिए प्रयास करना गठबंधन कहलाता है।

खंड - डी

23. शुरुआती दशकों के दौरान कांग्रेस पार्टी के प्रभुत्व के कारण- 1*4=4

सबसे पुरानी ज्ञात पार्टी- कांग्रेस पार्टी की स्थापना 1885 में हुई थी। इस प्रकार यह भारत के नागरिकों को वोट देने के लिए सबसे पुरानी ज्ञात पार्टी थी।

1. सबसे लोकप्रिय और करिश्माई नेताओं की पार्टी- पार्टी में जवाहर लाल नेहरू जैसे करिश्माई नेता थे। उन्होंने संपूर्ण भारत से चुनाव अभियान का नेतृत्व किया।
2. स्वतंत्रता आंदोलन की विरासत- स्वतंत्रता संग्राम के दौरान लोगों के अधिकारों के लिए कांग्रेस पार्टी ने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी इसलिए जनता का पार्टी में विश्वास था।
3. सबसे बड़ा संगठित नेटवर्क- कांग्रेस पार्टी का नेटवर्क बहुत बड़ा था। पूरे भारत के लोग इस पार्टी के लिए काम कर रहे थे। वार्षिक बैठक देश के विभिन्न स्थानों पर आयोजित की जाती थी।
4. चुनाव लड़ने का अनुभव- कांग्रेस पार्टी के पास स्वतंत्र भारत में प्रथम चुनाव से पूर्व चुनाव लड़ने का अनुभव था। ब्रिटिश शासन के दौरान पार्टी ने प्रांतीय चुनावों के लिए चुनाव लड़ा। किन्तु स्वतंत्र भारत की नवगठित पार्टियों को चुनाव लड़ने का अनुभव नहीं था।

evidyarthi
https://www.evidyarthi.in

5. FPTP का लाभ- भारतीय चुनाव प्रणाली मे'जो आगे वो जीता' व्यवस्था है अर्थात जिस उम्मीदवार को आधे से अधिक वोट नहीं मिले हैलेकिन अन्य उम्मीदवारों की तुलना मेकेवल एक वोट से भी आगे हो तो उसे विजेता घोषित किया जाता है। इससे कांग्रेस पार्टी को फायदा हुआ, जिसे 1952 मे चुनाव मेकेवल 45% वोट मिले, लेकिन 74% सीटों के लिए विजेता घोषित किया गया। जहाँ पर सोशलिस्ट पार्टी ने 10% वोटों के साथ 3% सीटेजीतीं और दूसरे स्थान पर रही।

या कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु (कोई भी चार)

24. भारत की राजनीति मेराम मनोहर लोहिया के योगदान पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें। 4

राम मनोहर लोहिया जानेमाने समाजवादी नेता थे।

1. सोशलिस्ट पार्टी के संस्थापक सदस्य- राम मनोहर लोहिया कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी के साथ कांग्रेस पार्टी मेशामिल हो गए। बाद मे1948 में, वह सोशलिस्ट पार्टी और फिर यूनाइटेड सोशलिस्ट पार्टी के संस्थापक सदस्य बन गए।
2. लोकसभा सदस्य- उन्होंने लोकसभा के लिए उपचुनाव लड़ा। उन्होंने फर्रुखाबाद सीट से चुनाव जीता और 1963 से 1967 तक संसद के सदस्य बने।
3. समाजवाद का सिद्धांत- उन्होंने यूरोपीय समाजवाद के सिद्धांत के अलावा लोकतांत्रिक समाजवाद का सिद्धांत दिया। उनका मुख्य ध्यान लोकतंत्र मेसमानता पर था।

https://www.evidyarthi.in

4. गैरकांग्रेसवाद- उन्होंने कांग्रेस में नेहरू के खिलाफ मोर्चा खोल दिया और फिर कांग्रेस के खिलाफ खड़े हो गए। गैरकांग्रेसवाद, शब्द केवल उसके द्वारा दिया गया था।

25. आपातकाल 1975 से पहले की आर्थिक पृष्ठभूमि- 1*4= 4

1. पूर्वी पाकिस्तान से शरणार्थी- पूर्वी पाकिस्तान की सीमाओं के पार से लगभग 80 लाख लोग पहुंचे। यह वित्तीय बोझ बन गया।
2. भारत-पाक युद्ध, 1971- के बोझ, हालांकि, यह दिसंबर, 1971 में एक छोटा युद्ध था, लेकिन इसने भारत की पाँच वर्षीय योजना पर एक टोल लिया।
3. तेल की कीमतों में वृद्धि- 70 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में वृद्धि हुई। यह दुनिया के लिए एक झटका था।
4. मानसून की विफलता- 1972-73 में मानसून की विफलता थी। इसके कारण कृषि उपज में गिरावट देखी गई। खाद्यान्न के उत्पादन में 8% की गिरावट थी।
5. औद्योगिक उत्पादन में कमी- औद्योगिक विकास बहुत कम था और बेरोजगारी अधिक थी। सरकार के कर्मचारियों का वेतन जारी नहीं किया गया था।
6. मुद्रास्फीति- कम उत्पादन और परिवहन की उच्च लागत के कारण वस्तुओं की कीमत में बड़ी वृद्धि हुई।

(कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु) (कोई भी चार)

26. महाशक्तियों का छोटे देशों के साथ गठबंधन क्यों है, चार उद्देश्यों को लिखिए। 1*4=4

https://www.evidyarthi.in

1. प्राकृतिक संसधन- बड़े देश छोटे देशों से प्राकृतिक संसधनों को प्राप्त करने मेसक्षम थे जैसे कि तेल, खनिज, आदि।
2. सेना को संचलित करने के लिए भूमि- अपनी सेना को आगे बढ़ाने के लिए, महाशक्तियों को इन देशों से कुछ मार्ग / भूमि की आवश्यकता थी।
3. सैन्य अड्डा- अपने हथियारों को स्टोर करना और अपनी मुख्य भूमि से दूर खुफिया कार्य करना। महाशक्तियों को इन देशों की सहायता की आवश्यकता थी।
4. वित्तीय मदद- महाशक्तियों को इन देशों से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से वित्तीय मदद भी मिली।

अथवा

गुटनिरपेक्ष अंदोलन के उद्देश्य- 1*4=4

1. महाशक्तियों के दबाव को कम करने के लिए- शीत युद्ध के दौरान नए स्वतंत्र देश अस्तित्व मेआए। इन देशों पर किसी भी ब्लाक मेशामिल होने का दबाव था। गुटनिरपेक्ष संगठन मेशामिल होकर उन्होने अपने को स्वतंत्र बनाए रखा.
2. दोनों महाशक्तियों से सहायता प्राप्त करने के लिए- नव स्वतंत्र देश अविकसित थे और उनके संसधनों का औपनिवेशिक शासकों द्वारा ह्रास / शोषण किया गया था। उन्हेदोनों ब्लाकों के विकसित देशों से वित्तीय और तकनीकी मदद की जरूरत थी। वे एक मेशामिल होने और दूसरे को छोड़ने का जोखिम नहीं उठा सकते थे।
3. स्वतंत्र विदेश नीति- नए स्वतंत्र देश किसी भी देश के साथ संबंध बनाने के लिए स्वतंत्र थे, केवल अगर वे किसी भी ब्लॉक मेशामिल नहीं होते हैं।

https://www.evidyarthi.in

4. सहायता समूह बनाने के लिए- ये देश एक ही संकट से गुजरे। इस प्रकार एक दूसरे की समस्याओं के बारे मेंअच्छी तरह से जानते हैं। दोनों ने मिलकर सहयोग का एक समूह बनाया।

5. निशस्त्रीकरण- गुटनिरपेक्ष आंदोलन ने दुनिया मेंशांति बनाए रखने के लिए निशस्त्रीकरण की वकालत की।

(कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु) (कोई भी चार)

27. 'मंडल कमीशन' 4

बिंदेश्वरी प्रसाद मंडल, एक समाजवादी नेता, 1967 और 1977 मेंसंसद सदस्य चुने गए। "सामाजिक रूप से या शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्ग की पहचान करने के लिए" 1978 मेंबिंदेश्वरी प्रसाद मंडल की अध्यक्षता में'अन्य पिछड़ा आयोग' स्थापना की गई इसलिए आयोग को 'मंडल आयोग' भी कहा जाता है। यह रिपोर्ट 1983 मेंपेश की गई थी, लेकिन अगस्त 1990 मेंवीपी सिंह सरकार ने इस रिपोर्ट को लागू करने की घोषणा की, जिसके कारण व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए। आयोग की सिफारिशेंथी-

1. अन्य पिछड़े वर्गों की पहचान- इसने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के अलावा अन्य पिछड़े वर्गों की पहचान की। वे शैक्षिक और सामाजिक रूप से पिछड़े थे।
2. OBC को आरक्षण- OBC के लिए शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी सेवाओं मेंआयोग ने 27% आरक्षण की सिफारिश की।

अथवा

UPA और NDA पर टिप्पणी- 2+2=4

UPA- United Progressive Front- स.प्र.ग.-संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन-

https://www.evidyarthi.in

- भारत मेकें द्र-वाम राजनीतिक दलों का एक गठबंधन है जो पहली बार 2004 के आम चुनाव के बाद बना। UPA की सबसे बड़ी सदस्य पार्टी INC है, जिसकी अध्यक्ष सोनिया गांधी UPA की अध्यक्ष हैं।
- इसने 2004 मेकें द्र स्तर के साथ-साथ कुछ राज्यों मेभी कुछ अन्य वाम-गठबंधन दलों के समर्थन से सरकार बनाई , क्योंकि किसी भी पार्टी को अपने दम पर बहुमत नहीं मिला।
- मार्च 2020 तक, यूपीए 5 राज्यों और 1 केंद्र शासित प्रदेश छत्तीसगढ़ , झारखंड , राजस्थान , पंजब , महाराष्ट्र और पुदुचेरी मेसत्ता मेहै ।

NDA- National Democratic Alliance

- रा.ज.ग.- राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन
- राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व मे बना दक्षिणपंथी राजनीतिक दलों का एक भारतीय राजनीतिक गठबंधन है। यह पहली बार 1998 मेस्थापित किया गया था और वर्तमान मेभारतीय संघ सरकार के साथ-साथ 18 भारतीय राज्यों की सरकार को नियंत्रित करता है ।
- इसके पहले अध्यक्ष प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी , पूर्व उप प्रधानमंत्री रहे हैं।
- 2014 के आम चुनाव मेका संयुक्त वोट शेयर 38.5% था। इसके नेता, मोदी ने 26 मई 2014 को भारत के प्रधान मंत्री के रूप मेशपथ ली।
- 2019 के आम चुनाव मे, गठबंधन ने अपनी 45.43% की संयुक्त वोट हिस्सेदारी के साथ 353 सीटों पर अपनी बढ़त बना ली।

खंड - ई

28.

प्रयोग की गई जानकारी की क्र.सं.	संबंधित अक्षर	राज्य का नाम
1)	A	गुजरात
2)	C	आंध्रप्रदेश
3)	B	मणिपुर
4)	E	जम्मू कश्मीर
5)	D	पंजब

दृष्टिबाधित छात्रों के लिए:-

1. नागपुर
2. पोट्टी श्री रमुलू
3. हैदराबाद
4. 2014
5. 1 नवंबर 1956

29(i) चीन की महान दीवार तथा ड्रैगन । 1

29(ii) (क) जब से सुधार आरंभ हुए है तब से चीन, सबसे तीव्र गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था वाला देश रहा है।

(ख) अनुमान है कि चीन 2040 तक विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश हो सकता है।

https://www.evidyarthi.in

(ग) इसकी सुदृढ़ अर्थव्यवस्था, इस की जनसंख्या, भ ूमि, संसधन, क्षेत्रिय स्थिति तथा राजनीतिक प्रभाव इसकी शक्ति मेमहत्वप ूर्ण रूप से व ृद्धि करते है। (कोई दो) 2

29(iii)

(क) ऐसा अनुमान है कि चीन 2040 में, संयुक्त राज्य अमेरिका को पीछे छोड़ कर,एक महान आर्थिक शक्ति बन जाएगा ।

(ख) यह पूर्वी एशियाई वृद्धि का इंजन है जिसके चलते क्षेत्रिय मामलों मेइसकी विशालकाय भूमिका है।

(ग) चीन, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) का सर्वाधिक महत्वप ूर्ण स्थान बन गया है।

(घ) इसके पास, विशाल विदेशी निवेश विनिमय रिजर्व है जिसके कारण यह अन्य देशों मेबड़ा निवेश करने मेसक्षम है।

(ड) डब्ल्यूटीओ मेइसका प्रवेश, भविष्य की आर्थिक व्यवस्था को आकार प्रदान करने मेसहयोगकारी सिद्ध होगा । (कोई दो) 2

केवल दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए -

29.1 दक्षिण एशियाई क्षेत्रिय सहयोग संघ 1

29.2 भारत, बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका, मालदीव, भ ूटान तथा पाकिस्तान ।
(कोई चार) 2

29.3 (i) दक्षिण एशियाई देशों की साम ूहिक आत्मनिर्भरता बढ़ाना ।
(ii) अंतरराष्ट्रीय मंचें पर परस्पर सहयोग मजब ूत करना । 2

https://www.evidyarthi.in

खंड - एफ

30. 6

उत्तर पूर्व सोवियत संघ के अधिकांश गणराज्य संघर्ष की आशंका वाले क्षेत्र थे। इन देशों ने प्राय गृह युद्ध तथा बगावत को झेला है। यहां मानवाधिकारों का व्यापक उल्लंघन हुआ। यह राजनीतिक रूप से अस्थिरता का माहौल रहा। कई देशों मे जातीय संघर्ष देखा गया। यहां कई प्रांतें ने स्वायत्तता जैसे मुद्दे उठाए। इस संबंध मे रूस के दो गणराज्य चेचन्या तथा दगिस्तान मे हिंसक अलगाववादी आंदोलन चले। तजाकिस्तान अज़रबैजान जॉर्जिया यूक्रेन किर्गिस्तान आदि मे लगातार गृह युद्ध चले। पूर्वी यूरोप मे चेकोस्लाविया दो भागों मे बट गया चेक तथा स्लोवाकिया नाम के दो देश बने। सर्वाधिक गहन संघर्ष बाल्कन क्षेत्र के गणराज्य यूगोस्लाविया मे हुआ। 1991 के बाद यूगोस्लाविया कई प्रांतें मे बँट गया और इसमे शामिल बोस्निया, हर्जेगोविना, स्लोवेनिया तथा क्रोएशिया ने अपने को स्वतंत्र घोषित कर दिया।

अथवा OR

30.सोवियत संघ के विघटन के छः परिणाम निम्नलिखित है- 1*6=6

1. सोवियत संघ के विघटन के कारण विश्व मे शीत युद्ध समाप्त हो गया।
2. सोवियत संघ के विघटन से शक्ति संबंधें मे परिवर्तन आया।
3. विश्व मे नए गण राज्यों का उदय हुआ।
4. रूस मे राज्य नियंत्रित औद्योगिक ढांचे का पतन हो गया।
5. सोवियत संघ से अलग हुए गणराज्यों मे अनेक कारणों से अंदरूनी संघर्ष होने लगे।
6. मध्य एशियाई गणराज्यों मे प्राकृतिक तेल संसधन के कारण यह क्षेत्र विदेशी ताक़तों का युद्ध का स्थल बन गया।

https://www.evidyarthi.in

31. आपातकाल के दौरान लोकतान्त्रिक संक्ट:- **6**

1. मौलिक अधिकारों का निलंबित होना

तत्कालीन सरकार ने आपातकाल के दौरान मौलिक अधिकारों को निलंबित कर दिया और इसी कारण नागरिकों को आपातकाल के दौरान सुप्रीम कोर्ट हाईकोर्ट से मौलिक अधिकारों के बचाव को लेकर कोई ज्यादा मदद नहीं मिल पाई

2. मीडिया तथा जन संचर के माध्यमों पर आपातकाल का प्रभाव

कई प्रसिद्ध पत्रिकाओं ने आपातकाल के दौरान प्रतिबंधें और सेंसरशिप के सामने झुकने के बजाय बंद होने का विकल्प बेहतर समझा। कई भूमिगत समाचार पत्र और पत्रक को सेंसरशिप को बायपास करने के लिए प्रकाशित किया गया। कई प्रतिष्ठित लेखकों जैसे फणीश्वर नाथ रेणु आदि ने प्रतिष्ठित पुरस्कार वापस लौटा दिये। इंडियन एक्सप्रेस और स्टेटस मैन जैसे अखबारों ने सेंसरशिप के लिए अपने संपदकीय पेज को रिक्त छोड़कर विरोध जताया।

3. विपक्ष पर राष्ट्रीय आपातकाल का प्रभाव बड़ी संख्या मे विपक्षी दल के नेताओं और कार्यकर्ताओकी गिरफ्तारी हुई लालकृष्ण आडवाणी अटल बिहारी वाजपई आदि जैसे बड़े नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया ।कई नेता भूमिगत हो गए

4. सरकार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ तथा जमात-ए-इस्लामी जैसे सामाजिक संगठनों पर प्रतिबंध लगा दिया गया

5. सरकार ने निवारक नजरबंदी कानून का व्यापक स्तर पर उपयोग किया विरोध हड़ताल और सार्वजनिक आंदोलनों पर रोक लगा दी गई ।

6. आपातकाल के दौरान 1976 मे 42वां संविधान संशेधन पारित किया गया जिसके तहत कई विवादास्पद उपबंध भी पारित हुए उदाहरण के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के चुनाव को अब न्यायालय मे चुनौती नहीं दी जा सकती थी देश की विधायिका की अवधि 5 वर्ष से बढ़ाकर 6 वर्ष कर दी गई।

(या कोई भी अन्य प्रासंगिक बिन्दु)

https://www.evidyarthi.in

अथवा / OR

1971 में कॉंग्रेस की सफलता के प्रमुख कारण:- 6

1. गरीबी हटाओ का नारा

1971 के चुनाव में श्रीमती इंदिरा गांधी के द्वारा गरीबी हटाओ का नारा काफी प्रसिद्ध और आकर्षक रहा जिसके कारण नागरिकों में उत्साह तथा आशा का माहौल बना। देशभर में यह नारा काफी प्रसिद्ध हुआ

2. 1967 के चुनावों के बाद कई राज्यों में संविदा अर्थात मिली जुली सरकारों का निर्माण हुआ परंतु विचारधाराओ के मतभेदों के कारण यह सरकारें ज्यादा नहीं चल पाई तथा अपना कार्यकाल बिना पूरा किए हुए ही ये सरकारें गिर गई। इसके माध्यम से नागरिकों में यह संदेश गया कि एक मजबूत सरकार ज्यादा बेहतर होगी

3. इंदिरा गांधी की नीतियाँ

इंदिरा गांधी के द्वारा बैंकों का राष्ट्रीयकरण, प्रिवी-पर्स की समाप्ति जैसी नीतियाँ आम जनता को काफी पसंद आई तथा इसका फायदा 1971 के लोकसभा चुनाव में इंदिरा गांधी की पार्टी को सीधे तौर पर मिला

4. इंदिरा गांधी का आकर्षक व्यक्तित्व तथा भाषण कला

इंदिरा गांधी भाषण कला में निपुण थे वह अपने विचारों को सीधे जनता से जोड़ने में सफल रही उनका आत्मविश्वास भी इन चुनावों की सफलता के पीछे एक महत्वपूर्ण कारण रहा

5. कमजोर विपक्ष

विपक्ष के पास दमदार एजेंडा नहीं था। विपक्ष ने इंदिरा हटाओ का नारा लगाया जिसका नकारात्मक असर हुआ। विपक्ष इन चुनावों में कमजोर साबित हुआ।

evidyarthi
https://www.evidyarthi.in

32. **वैश्वीकरण के आर्थिक प्रभाव:-** **सकारात्मक प्रभाव** 6

वैश्वीकरण हमें देशों के सभी संसधनों को एक साथ रखने की अनुमति देता है। यह प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और तकनीकी नवाचार को बढ़ाने में मदद करता है। एफडीआई के कारण एक देश का बुनियादी ढांचा बेहतर हो जाता है और इसका विकास भी शुरू हो जाता है।

नकारात्मक प्रभाव

वैश्वीकरण के कारण घरेलू उद्योग नुकसान में हैं। जैसा कि बहुराष्ट्रीय कंपनियां अन्य देशों में स्थापित करना शुरू करती हैं, घरेलू देश उनसे प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकते। विकसित देश अपने लाभ के लिए दूसरे देशों के कुशल लोगों और संसधनों को खींचते हैं।

(या अन्य कोई प्रासंगिक बिन्दु)

अथवा

वैश्वीकरण की प्रमुख विशेषताएं निम्न प्रकार है:- 6

1. वैश्वीकरण में आपसी जुड़ाव पर विशेष बल दिया जाता है।
2. आपसी जुड़ाव से हितों में अंतर्विरोध समाप्त होते है।
3. आपसी जुड़ाव से एक संस्कृति के विचारों को दूसरी संस्कृति आसानी से स्वीकार कर पाती है। इसे संस्कृतियों में अंत: क्रिया कहा जाता है।
4. वैश्वीकरण प्रवाहो मैं गतिशीलता को बढ़ाती है तथा रूढ़िवादिता को समाप्त करती है।
5. वैश्वीकरण उदार पूंजीवादी व्यवस्था को बढ़ावा देती है तथा व्यक्ति को अपने समुचित विकास का आधार प्रदान करती है।
6. वैश्वीकरण साझा बाजार को बढ़ावा देती है।
7. वैश्विक सहयोग, वैश्विक समस्याओं का समाधान, वैश्विक मुद्दे तथा वैश्विक आदान-प्रदान इसकी महत्वपूर्ण विशेषताएं हैं।

****

https://www.evidyarthi.in

eVidyarthi

https://www.evidyarthi.in